वित्त वर्ष 2022-23 के लिये भारत में निवेश के रुझान पर RBI का अध्ययन

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) का हालिया अध्ययन **वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान भारत में पूंजी निवेश के राज्य-वार वितरण** पर प्रकाश डालता है।

- अध्ययन उन भौगोलिक और क्षेत्रीय रुझानों की जाँच करता है जो देश भर में परियोजना वित्तपोषण के परिदृश्य को आकार देते हैं।

अध्ययन की मुख्य बातें:

- **निवेश में वृद्धि और पूंजी परिव्यय:**
  - अप्रैल 2022 से RBI द्वारा **रेपो दर में 250 आधार अंकों की बढ़ोतरी** के बीच जुलाई 2023 में **ऋण में 19.7% की वृद्धि हुई,** जो निवेश के क्षेत्र में मज़बूती का संकेत देती है।
  - कुल पूंजी परिव्यय 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रभावशाली स्तर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।
- **कुल परियोजना लागत में राज्य-वार हिस्सेदारी:**
  - **शीर्ष प्रदर्शक:**
    - बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत में **16.2% की सबसे अधिक हिस्सेदारी** के साथ **उत्तर प्रदेश** अग्रणी बनकर सामने आया है।
    - इसके बाद **गुजरात (14%), ओडिशा (11.8%), महाराष्ट्र (7.9%) और कर्नाटक (7.3%)** हैं, जो निवेश का गतिशील वितरण प्रदर्शित कर रहे हैं।
  - **निम्न स्तर के प्रदर्शक:**
    - **केरल, गोवा और असम** ने सबसे कम शेयर प्राप्त किये, **केरल** को कुल निवेश योजनाओं का **केवल 0.9% प्राप्त हुआ।**
    - हरियाणा और पश्चिम बंगाल भी कुल निवेश परियोजनाओं के 1% दायरे में आते हैं।
- **निवेश को बढ़ावा देने वाले क्षेत्र:**
  - वर्ष 2022-23 में कुल परियोजना लागत का 60% हिस्सा प्राप्त कर, **आधारभूत संरचना क्षेत्र (Infrastructure Sector)** ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - विशेष रूप से आधारभूत संरचना क्षेत्र के भीतर सड़क और पुल परियोजनाओं ने महत्त्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया, जिसका लाभ **"भारतमाला" पहल** से प्राप्त हुआ।
- **निवेश की गति को प्रभावित करने वाले कारक:**
  - सरकारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती व्यावसायिक आशावादिता और चुनिंदा क्षेत्रों में निजी पूंजीगत व्यय के पुनरुद्धार ने निवेश गतिविधि को प्रोत्साहित किया है।
  - **रेपो दर** में बढ़ोतरी के बावजूद व्यवसायों और व्यक्तियों द्वारा ऋण की मांग में काफी वृद्धि देखी गई, यह निवेश के अवसरों में उनके विश्वास को दर्शाता है।
- **निवेश क्षेत्र का भविष्य:**
  - भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किया गया अध्ययन **निजी निवेश के लिये एक सकारात्मक दृष्टिकोण** प्रदान करता है, जिसमें सरकारी खर्च में वृद्धि, बेहतर व्यवसाय तथा नीति समर्थन का महत्त्वपूर्ण योगदान है।
    - **ग्रीनफील्ड परियोजनाएँ, जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा वित्तपोषित कुल परियोजना लागत का 93.1% हैं** , नई पहलों पर केंद्रित हैं।
    - किसी विनिर्माण, कार्यालय अथवा अन्य भौतिक कंपनी-संबंधित सुविधा या मौजूदा सुविधाओं वाले किसी स्थान पर संरचनाओं के समूह में निवेश को "**ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट**" कहा जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rbi-study-on-investment-trends-in-india-for-fy-2022-23